आर्द्रभूमि संरक्षण को सुदृढ़ बनाना

प्रलिम्सि के लयि:

[आर्द्रभूमि](), [आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियिम 2017](), [राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA)](), [कार्बन पृथक्करण](), [जलवायु परविर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना](), [जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लयि राष्ट्रीय योजना (NPCA)]()

मेन्स के लयि:

[राष्ट्रीय आर्द्रभूमि सूची और मूल्यांकन](), आर्द्रभूमि का महत्त्व, आर्द्रभूमि संरक्षण में चुनौतियाँ

[स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स]()

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, [भारत के सर्वोच्च न्यायालय]() ने कार्यकर्त्ताओं द्वारा दायर एक जनहति याचकिा में, लगभग 30,000 अतरिक्ति [आर्द्रभूमियों]() के संरक्षण का आदेश दयिा, जो ***??.??. ??????????? ???? ???? ??? ?????*** में वर्ष 2017 के नर्णिय के अनुसार 201,503 आर्द्रभूमियों के पूर्व संरक्षण पर आधारति है।

- न्यायालय ने [राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों]() को तीन महीने के भीतर इन आर्द्रभूमियों की ज़मीनी जाँच और सीमांकन का काम पूरा करने का आदेश दयिा।

आर्द्रभूमियाँ क्या हैं?

- जलीय व स्थलीय पारस्थितिकीय प्रणालियों के बीच का संक्रमण क्षेत्र जो दीर्घावधि में प्राकृतकि या कृत्रमि रूप से, खारे या ताजे जल से भरा हुआ अथवा जल से संतृप्त हो, आर्द्र भूमि कहा जाता है जसिमें समुद्रतटीय भाग भी शामलि है जहाँ लघु ज्वार की स्थति में जल की गहराई 6 मीटर से अधकि न हो।
  - **आर्द्रभूमियाँ इकोटोन होती हैं,** जनिमें स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों के बीच संक्रमणकालीन भूमि होती है।

आर्द्रभूमि के प्रकार:

- **तटीय आर्द्रभूमि:** यह नदयिों से अप्रभावति होकर **भूमि और खुले समुद्र के बीच** पाई जाती हैं।
  - उदाहरणों में **तटरेखाएँ, समुद्र तट, मैंग्रोव** और **प्रवाल भत्तियाँ** शामलि हैं, जैसे कि संरक्षति उष्णकटबिंधीय तटीय क्षेत्रों में **मैंग्रोव दलदल** इसका एक अच्छा उदहारण है।
- **उथली झीलें और तालाब:** कम प्रवाह वाले स्थायी या अर्द्ध-स्थायी जल के क्षेत्र, जनिमें लवणीय झीलें और ज्वालामुखी क्रेटर झीलें शामलि हैं।
- **दलदल:** ये जल से संतृप्त क्षेत्र या जल से भरे क्षेत्र होते हैं और आर्द्र मृदा की स्थतिके **अनुकूल जड़ी-बूटयिों वाली वनस्पतयाँ** इनकी वशिषता होती है।
  - वे ज्वारीय या गैर-ज्वारीय हो सकते हैं।
- **स्वैंप्स:** ये मुख्य रूप से सतही जल द्वारा पोषति होते हैं तथा यहाँ **वृक्ष व झाड़यिाँ** पाई जाती हैं। ये मीठे जल से खारे जल के बाढ़ के मैदानों में पाए जाते हैं।
- **बॉग्स:** बॉग्स **दलदल पुरानी झील घाटयिाँ** अथवा भूमि में जलभराव वाले गड्ढे हैं। इनमें लगभग सारा पानी वर्षा के दौरान जमा होता है।
- **ज्वारनदमुख (Estuaries):** वे क्षेत्र जहाँ **नदयिाँ समुद्र से मलिती हैं,** मीठे जल से खारे जल में परविर्तति होती हैं, जैवववधिता से समृद्ध हैं।
  - उदाहरणों में डेल्टा, ज्वारीय पंक और लवणीय दलदल शामलि हैं।

आर्द्रभूमि का महत्त्व:

- **प्राकृतकि जल शोधक: तलछट को रोककर, प्रदूषकों को वघिटति करके तथा अतरिक्ति पोषक तत्त्वों को अवशोषति करके, आर्द्रभूमि**

प्राकृतिक जल शोधक के रूप में कार्य करती हैं।
  - इस प्रक्रिया से जल की गुणवत्ता में सुधार होता है, यह सुनिश्चित होता है कि यह मानव उपभोग के लिये स्वच्छ और सुरक्षित है तथा समग्र पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।
- **बाढ़ की रोकथाम:** वे अतिरिक्त जल को अवशोषित और संग्रहीत करते हैं, जिससे बाढ़ का खतरा कम होता है जिससे घरों और बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा होती है।
  - [राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA)](#) इस बात पर ज़ोर देता है कि आर्द्रभूमि आस-पास के क्षेत्रों में बाढ़ के खतरे को 60% तक कम कर सकती है।
- **वन्यजीवों के लिये आवास:** आर्द्रभूमि पक्षियों, मछलियों और अन्य वन्यजीवों की कई प्रजातियों के लिये महत्त्वपूर्ण आवास प्रदान करती है, जिनमें [सारस क्रेन](#) जैसी संकटग्रस्त प्रजातियाँ भी शामिल हैं।
  - **अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (SAC) द्वारा तैयार राष्ट्रीय आर्द्रभूमि सूची एवं मूल्यांकन** के अनुसार, आर्द्रभूमियाँ **पृथ्वी की सतह के केवल 6% भाग** को कवर करने के बावजूद, **विश्व की 40% से अधिक प्रजातियों का आवास स्थल हैं**।
- **कार्बन पृथक्करण:** आर्द्रभूमियाँ मिट्टी और वनस्पति में बड़ी मात्रा में कार्बन संग्रहित करती हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद मिलती है।
  - **भारतीय जलवायु परिवर्तन आकलन नेटवर्क (INCCA)** इस बात पर ज़ोर देता है कि आर्द्रभूमियों को बहाल करने से **कार्बन अवशोषण** को बढ़ाकर, जल गुणवत्ता में सुधार करके तथा बाढ़ के खतरों को कम करके भारत के जलवायु लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।
- **आजीविका:** कई समुदाय मछली संग्रहण, कृषि और पर्यटन के माध्यम से अपनी आजीविका के लिये आर्द्रभूमि पर निर्भर हैं।
  - **एशिया, अफ्रीका और अमेरिका** में लगभग एक अरब परिवार अपनी आजीविका के लिये चावल की खेती पर निर्भर हैं। वेटलैंड धान चावल 3.5 अरब लोगों के लिये मुख्य भोजन है, जो वैश्विक कैलोरी सेवन का 20% प्रदान करता है।

(adsbygoogle = window.adsbygoogle || []).push({});

भारत में आर्द्रभूमियों की स्थिति क्या है?

- **अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC)** द्वारा उपग्रह आधारित अवलोकन के अनुसार, भारत में लगभग 231,195 आर्द्रभूमियाँ हैं। हालाँकि [आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम 2017](#) **के तहत केवल 92 आर्द्रभूमियों को आधिकारिक तौर पर संरक्षण हेतु अधिसूचित** किया गया है।

आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिये उठाए गए कदम:

- **रामसर अभिसमय:** भारत **1 फरवरी, 1982** को **रामसर अभिसमय** में शामिल हुआ और तब से **1,367,749** हेक्टेयर क्षेत्र में फैली **85 आर्द्रभूमियों** को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि के रूप में नामित किया है।
  - [नंजरायन पक्षी अभयारण्य, काज़ुवेली पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)](#) और **मध्य प्रदेश का तवा जलाशय को हाल ही में आर्द्रभूमियों** के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- **मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड:** [मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड](#) अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों की सूची पर रामसर अभिसमय के अंतर्गत आर्द्रभूमि स्थलों का एक रजिस्टर है।
  - [आद्रभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम, 2017](#)
  - [पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की कार्य योजना](#)
  - [जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिये राष्ट्रीय योजना (NPCA)](#)
  - [अमृत धरोहर क्षमता निर्माण योजना](#)

आर्द्रभूमि संरक्षण में चुनौतियाँ क्या हैं?

- **अपर्याप्त कानूनी ढाँचा:**
  - **विनियामक चुनौतियाँ: हालाँकि आद्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017** जैसे कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन प्रभावी रूप से नहीं किया जाता है। कई आद्रभूमियाँ असुरक्षित हैं या उनका प्रबंधन ठीक से नहीं किया जाता।
    - वर्ष 2022-23 की **जल निकाय जनगणना** से पता चलता है कि **भारत में 24,24,540 जल निकाय हैं, जिनमें से 55% निजी स्वामित्व** वाले हैं, **जिससे संरक्षण के प्रयास जटिल हो जाते हैं** ।
  - **विकेंद्रीकरण के मुद्दे:** आर्द्रभूमि प्रबंधन के लिये राज्य सरकारों को शक्तियाँ सौंपे जाने से विभिन्न क्षेत्रों में **कार्यान्वयन और संरक्षण में असंगतियाँ उत्पन्न हो गई हैं।**
- **शहरीकरण और भूमि उपयोग परिवर्तन:**
  - **अतिक्रमण:** तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण से आर्द्रभूमियों का विनाश हुआ है, जिससे उनके आकार और पारिस्थितिक कार्य में कमी आई है। **चेन्नई और मुंबई जैसे शहरों में** महत्त्वपूर्ण गिरावट देखी गई है।
    - पिछले 30 वर्षों में, शहरीकरण, प्रदूषण और कृषि के कारण **भारत की 30% आर्द्रभूमि** नष्ट हो गई हैं।
- **प्रदूषण और जल गुणवत्ता में गिरावट:**
  - **औद्योगिक उत्सर्जन:** पूर्वी कोलकाता सहित कई आर्द्रभूमियों का स्वास्थ्य और जैवविविधता पर अनुपचारित सीवेज़, कृषि अपवाह और

औद्योगिक अपशिष्टों से होने वाले प्रदूषण का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

    - **आक्रामक प्रजातियाँ:** आक्रामक पौधों की प्रजातियों के प्रवेश से प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बाधित होने से स्थानीय वनस्पतियों एवं जीवों को खतरा हो सकता है।
        - उदाहरण के लिये, **जलकुंभी *(Eichhornia crassipes)*** एक आक्रामक पौधे की प्रजाति है जो भारत के जल निकायों में मिलती है।
- **जलवायु परिवर्तन के प्रभाव:**
    - **परिवर्तित जल विज्ञान:** जलवायु परिवर्तन से वर्षा का पैटर्न प्रभावित होने से जल स्तर में परिवर्तन होने के साथ आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र बाधित (जैसा कि **सुंदरवन** में देखा गया है) हो सकता है।
        - आर्द्रभूमियाँ बाढ़ एवं सूखे जैसी चरम मौसमी घटनाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होती जा रही हैं, जिससे उनका पारिस्थितिक संतुलन बाधित हो सकता है।
- **जागरूकता की कमी:**
    - **शैक्षिक अंतराल:** कई समुदाय आर्द्रभूमि से मिलने वाले लाभों (जैसे- बाढ़ नियंत्रण, जल शोधन, और जीवों के लिये आवास) को नहीं समझते हैं।
        - आर्द्रभूमि के पारिस्थितिकी महत्त्व के बारे में आम लोगों तथा नीति निर्माताओं में जागरूकता का अभाव है, जिसके कारण संरक्षण के प्रयास अपर्याप्त बने हुए हैं।

//

आगे की राह

- **नीतियों में आर्द्रभूमियों को महत्त्व देना:**
  - **उत्सर्जन लक्ष्य:** आर्द्रभूमि के **ब्लू कार्बन** को शामिल करने से संरक्षण लक्ष्यों (भारत का वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य) को समर्थन मिल सकता है लेकिन वर्तमान में व्यवस्थित सूची की कमी के कारण इसे अनदेखा किया जाता है।
    - आर्द्रभूमि के कार्बन भंडारण और GHG उत्सर्जन को राष्ट्रीय कार्बन स्टॉक एवं प्रवाह आकलन में शामिल करना चाहिये।
    - इसके अतिरिक्त पीटलैंड की कार्बन गतिशीलता को बेहतर ढंग से समझने एवं प्रबंधित करने के लिये उनकी विस्तृत सूची बनानी चाहिये।
- **आर्द्रभूमि का प्रभावी प्रबंधन:**
  - **एकीकृत दृष्टिकोण:** एकीकृत योजना, कार्यान्वयन एवं निगरानी के साथ **आर्द्रभूमि के निकटवर्ती क्षेत्र में अनियोजित शहरीकरण** की समस्या का समाधान करना चाहिये।
    - पारिस्थितिकीविदों, जलग्रहण प्रबंधन विशेषज्ञों, योजनाकारों एवं निर्णयकर्त्ताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देना चाहिये।
- **मेगा शहरी योजनाओं के साथ समन्वय विकसित करना:**

    - **पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को महत्त्व देना:** विकास नीतियों, शहरी नियोजन एवं जलवायु परिवर्तन शमन में आर्द्रभूमि की भूमिका पर बल देना चाहिये।
        - [स्मार्ट सिटी मिशन]और [अटल कायाकल्प एवं शहरी परिवर्तन मिशन] जैसी पहलों के साथ धारणीय आर्द्रभूमि प्रबंधन को एकीकृत करना चाहिये।
- **जन भागीदारी को बढ़ावा देना:**
    - **सार्वजनिक भागीदारी: दिल्ली विकास प्राधिकरण के मास्टर प्लान, दिल्ली 2041 में** 'ग्रीन और ब्लू परिसंपत्तियों' के एकीकृत नेटवर्क के संरक्षण एवं विकास हेतु सार्वजनिक टिप्पणियों को आमंत्रित किया गया।
        - **महाराष्ट्र के मांडवी क्रीक में** स्वामिनी **स्वयं सहायता समूह की** मैंग्रोव सफारी, पारिस्थितिकी पर्यटन के तहत समुदाय-नेतृत्व वाले संरक्षण का एक मॉडल है।

दृष्टि मेन्स प्रश्न

प्रश्न: भारत में अतिरिक्त आर्द्रभूमियों को संरक्षित करने के क्रम में हाल ही के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के महत्त्व पर चर्चा कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. यदि अंतरराष्ट्रीय महत्त्व के एक आर्द्रभूमि को 'मोंट्रेक्स रिकॉर्ड' के अंतर्गत लाया जाता है, तो इसका क्या अर्थ है? (2014)

(A) मानवीय हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप आर्द्रभूमि के पारिस्थितिक स्वरूप में परिवर्तन हुआ है, हो रहा है या होने की संभावना है।
(B) जिस देश में आर्द्रभूमि स्थित है उसे आर्द्रभूमि के किनारे से पाँच किलोमीटर के भीतर किसी भी मानवीय गतिविधि को प्रतिबंधित करने के लिये एक कानून बनाना चाहिये।
(C) आर्द्रभूमि का अस्तित्व इसके आसपास रहने वाले कुछ समुदायों की सांस्कृतिक प्रथाओं एवं परंपराओं पर निर्भर करता है और इसलिये वहाँ की सांस्कृतिक विविधता को नष्ट नहीं किया जाना चाहिये।
(D) इसे 'विश्व विरासत स्थल' का दर्जा दिया गया है।

उत्तर: (a)

?????:

प्रश्न. आर्द्रभूमि क्या है? आर्द्रभूमि संरक्षण के संदर्भ में 'बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग' की रामसर संकल्पना को स्पष्ट कीजिये। भारत से रामसर स्थलों के दो उदाहरणों का उद्धरण दीजिये। (2018)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/strengthening-wetland-protection